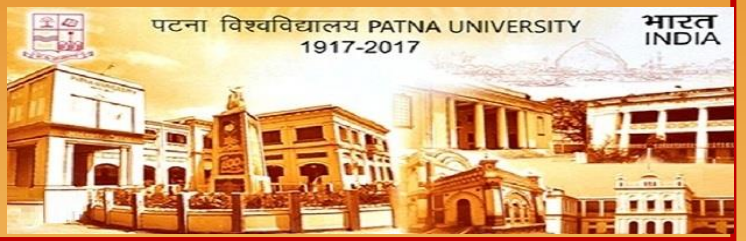

Patna University In News (15.12.2022)

पटना विवि. सिंडिकेट की बैठक में 2022-23 के लिए घाटे का बजट पारित

800 छात्राओं के लिए बनेगा हॉस्टल

संवाददाता, पटना

पटना विश्वविद्यालय की ओर से बुधवार को सिंडिकेट की बैठक आयोजित की गयी. बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गिरीश कुमार चौधरी की अध्यक्षता में सर्व सम्मति से वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए घाटे का बजट पारित किया गया. सिंडिकेट की बैठक में पारित बजट 23 दिसंबर को सीनेट की बैठक में प्रस्तुत किया जायेगा. बैठक में कुलपति ने सभी सदस्यों को संबोधित करते हुए बताया कि राज्य सरकार की ओर से विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए मल्टी स्टोरी विज्ञान भवन का निर्माण किया जायेगा. इसके साथ ही विश्वविद्यालय की छात्राओं के लिए दो छात्रावास का निर्माण किया जायेगा. छात्रावास में 800 के करीब छात्राओं के रहने की व्यवस्था करायी जायेगी. विद्यार्थियों को सहूलियत प्रदान कराने और विवि की आधारभूत संरचना के विकास के लिए सिंडिकेट के सभी सदस्यों ने कुलपति के प्रयासों की प्रशंसा की.

सैदपुर कैंपस के नाम पर होगा थाने का निर्माण : सिंडिकेट की बैठक में सदस्यों ने सैदपुर कैंपस में नये थाने के निर्माण का निर्णय लिया. इसके लिए सरकार को जमीन उपलब्ध कराने की बात कही गयी. बैठक में सदस्यों ने नये थाना का नाम सैदपुर कैंपस थाना रखने का प्रस्ताव दिया. इसके साथ ही सैदपुर कैंपस को विकसित करने के लिए आर्किटेक्ट द्वारा मास्टर प्लान बनवाने की बात कही गयी. बैठक में विवि के संकायाध्यक्ष छात्रकल्याण प्रोफेसर अनिल कुमार, कुलानुशासक प्रोफेसर रजनीश कुमार, कुलसचिव कर्नल कामेश कुमार, प्रोफेसर शरीफ व अन्य सदस्य मौजूद रहे.

पटना विवि में सिंडिकेट की बैठक में शामिल अधिकारी.

वीमेंस ट्रेनिंग कॉलेज में हॉस्टल में 50 सीटें बढ़ेंगी

पटना. वीमेंस ट्रेनिंग कॉलेज में बुधवार से एनएसएस के स्पेशल कैंप की शुरुआत हुई. यह कैंप 20 दिसंबर तक आयोजित किया जायेगा. इसमें बीएड सेकेंड इयर की 52 एनएसएस की छात्राओं ने भाग लिया. कैंप का थीम महिला सशक्तीकरण है. कैंप के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी रामबली सिंह चंद्रवंशी और एनएसएस पटना के रीजनल डायरेक्टर पीयूष परांजपे थे. कॉलेज की प्राचार्या डॉ मुनव्वर जहां ने कहा कि महाविद्यालय को फिजिकल रिसोर्सेज की अत्यंत आवश्यकता है. उन्होंने विधान पार्षद रामबली सिंह से कॉलेज को बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर दिलवाने की मांग रखी. विधान पार्षद रामबली सिंह ने यह विश्वास दिलाया कि वे कॉलेज की मूल आधारभूत संरचना के लिए प्रयत्नशील हैं. जल्द से जल्द वे कॉलेज को बैडमिंटन कोर्ट और छात्राओं को हॉस्टल में 50 सीटें मुहैया करायेंगे.

प्रभात खबर
Thu, 15 December 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/71147105

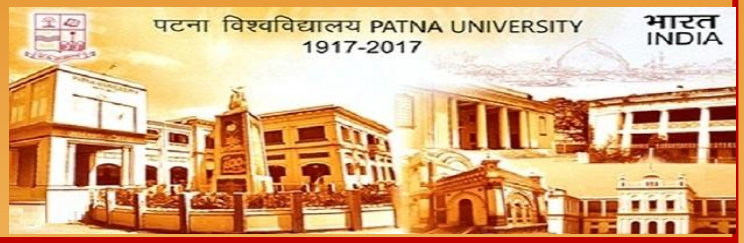

Patna University In News (15.12.2022)

दैनिक भास्कर

कुलपति की अध्यक्षता में हुई सिंडिकेट की बैठक

पीयू : स्नातकोत्तर विज्ञान संकाय के लिए बनेगा सात मंजिला भवन

पटना | पटना विवि में कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी की अध्यक्षता में सिंडिकेट की बैठक बुधवार को हुई। इसमें स्नातकोत्तर विज्ञान विभागों के लिए सात मंजिला भवन के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी गयी। सर्व सम्मति से पटना विश्वविद्यालय के वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 439 करोड़ रुपये घाटे का अनुदान बजट को पारित किया गया जिसे 23 दिसंबर को होने वाली सीनेट की बैठक में प्रस्तुत किया जायेगा। लगभग 800 छात्राओं के लिये दो छात्रावास निर्माण के लिए राशि स्वीकृत किया गया है। बैठक में एकेडमिक कौंसिल एवं फाइनेंस कमेटी के द्वारा लिए गए सभी निर्णयों की ध्वनि मत से संपुष्टि की गई। इसमें स्नातक व स्नातकोत्तर में फोरेंसिक साइंस की पढ़ाई को भी सिंडिकेट की स्वीकृति प्रदान कर दी गयी।

सैदपुर कैंपस में थाना के लिए दी जाएगी जमीन

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सैदपुर कैंपस में थाना स्थापित करने के लिए जरूरत भर जमीन सरकार को उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया। इस थाना का नामकरण पटना विश्वविद्यालय थाना, सैदपुर कैंपस रखने के प्रस्ताव दिया गया।

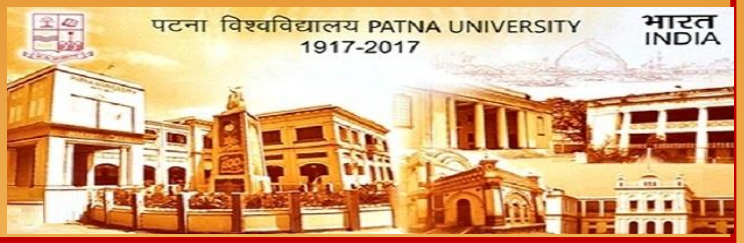

Patna University In News (15.12.2022)

THE TIMES OF INDIA

State universities to get e-library services

B K Mishra | TNN

Patna: In a significant development, as many as 15 universities of the state have signed an MoU with the UGC's Information and Library Network (INFLIBNET) Centre through the state education department recently, facilitating an easy access to the e-library services for the scholars and faculty members.

Education minister Chandrashekhar, education department's additional chief secretary Dipak Kumar Singh and secretary Asangba Chuba Ao, governor's principal secretary Robert L Chongthu, INFLIBNET Centre's director JP Singh Joorel and Bihar State Higher Education Council (BSHEC)'s vice-chairman Kameshwar Jha besides the vice-chancellors or the representatives of the universities concerned were witness to the MoU.

Universities which are likely to be benefitted from this MoU include BRA Bihar University, Muzaffarpur, B N Mandal University, Madhepura, Jai Prakash University, Chhapra, KSD Sanskrit University and L N Mithila University, Darbhanga, Magadh University, Bodh Gaya, Aryabhattta Knowledge University, Patliputra University, Maulana Mazrul Haque Arabic and Persian University, Nalanda Open University and Patna University, Patna, Tilka Manjhi Bhagalpur University, Bhagalpur, Veer Kunwar Singh University, Ara, Munger University, Munger and Purnia University, Purnia.

Developments in information technology have changed the concept of a library from being the storehouse of printed books and journals to a new environment called e-library

Giving details of the MoU, BSHEC's vice-chairman said that recent developments in information technology have changed the concept of the library from the storehouse of printed books and journals to a new environment called "e-library".

Now, under the umbrella of INFLIBNET, the following services would be provided for the use of the state's scholars, ensuring academic development of the state:

E-Shodh Sindhu: The INFLIBNET Centre provides access to more than 10000 peer-reviewed journals and two lakh e-books to the higher education community through E-Shodh Sindhu project. The project supports the faculty members and research scholars to access electronic resources 24x7 through 'off-campus access' method.

Library Automation: INFLIBNET provides library automation software called "Software for University Library (SOUL)" to automate the library activities such as library budget, resource selection, purchase, classification, cataloguing, Online Public Access Catalogue, book issue and return, etc. More than 3000 libraries have so far been automated through the SOUL software in India.

Shodh Ganga: The Shodh Ganga is a project to archive all the PhD theses produced by the Indian scholars and create new opportunities to showcase the research output of the scholars to the entire scholarly community of the world. It supports the academic organisations to identify the existing research contributions and avoid duplication of research work among the research community. The project has archived nearly four lakh PhD theses from 588 universities.

Shodh Shuddhi: To promote academic integrity, the INFLIBNET provides Plagiarism Detection Software (PDS) to all higher education institutions through the project Shodh Shuddhi. It supports the faculty members and scholars in identifying the similarities or duplications in the research output. More than 1000 universities have been using this software to check similarity content in the PhD thesis, research articles, etc.

Indian Research Information Network System (IRINS): It is the research information management system to collect all the research-related activities such as publications, patents, honours and awards, citation metrics and social media metrics of the faculty members and showcases them to the peer group. It supports the organization to generate various reports on the research contributions and assists the organization in decision-making on funding, internal and external assessment, etc. More than 640 organisations have parficipated and 1.5 lakh faculty members are interconnected through this project.

Shodh Chakra: Shodh Chakra supports the academic organisation to collect and organise the entire life cycle of the scholars registered for the research programme. It is an interactive dashboard to keep a record of all the communications that happen between the research guide (faculty member), scholars and the research administration.

IndiCat: IndiCat is the union catalogue of the books and serials holding of the participating institutions.

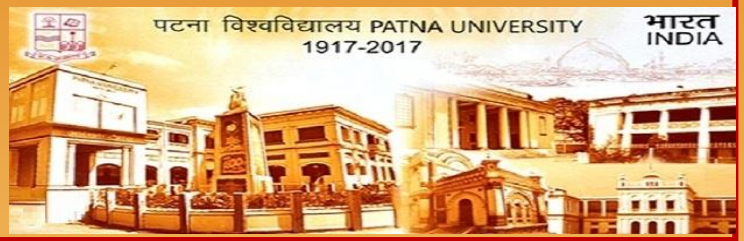

Patna University In News (15.12.2022)

दैनिक भास्कर

प्रो आरके वर्मा को मिलेगा अवॉर्ड

पटना | पटना विवि के पूर्व प्रतिकुलपति प्रो रंजीत कुमार वर्मा को इंडियन काउंसिल ऑफ केमिस्ट द्वारा 27 दिसंबर को आगरा में वार्षिकोत्सव पर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया जाएगा। प्रो आरके वर्मा के नेतृत्व में फेरायटे क्रोमाइट, अल्युमिनेट स्पीनेल के नैनो कणों की सरल विधि विकसित की गयी है। उनकी टीम ने भिन्न गैसीय वातावरण में अलग-अलग तेजी से गर्म करने पर तेल में होने वाले प्रभावों पर शोध किया है।

प्रभात खबर

पीयू में सीबीसीएस पैटर्न पर स्नातक फर्स्ट सेमेस्टर की शुरू हुई परीक्षा

पटना | पटना विश्वविद्यालय में सीबीसीएस के तहत स्नातक फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा गुरुवार को प्रारंभ हो गयी। पहले दिन सीसी-1 की परीक्षा पहली पाली में सुबह साढ़े दस बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक हुई। पहले दिन स्टूडेंट्स वेलफेयर डीन प्रो अनिल कुमार ने बीएन कॉलेज व साइंस कॉलेज परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और परीक्षा को लेकर संतोष जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी छात्र को निष्कासित नहीं किया गया है। परीक्षा शांतिपूर्ण चल रही है। लिखित परीक्षा 19 दिसंबर तक चलेगी। इसके बाद प्रैक्टिकल परीक्षाएं 20 दिसंबर से 22 दिसंबर के बीच होंगी।

पीयू : वोकेशनल कोर्स में कल जारी होगी सेकंड लिस्ट

पटना | पटना विश्वविद्यालय में वोकेशनल कोर्स, एलएलबी, एमसिस, बिसिस, एमएड आदि कोर्स में फर्स्ट मेरिट लिस्ट की नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। शनिवार तक सेकेंड लिस्ट जारी होने की उम्मीद है। संभवतः सोमवार से नामांकन प्रक्रिया की जाएगी। विवि के द्वारा इसकी तैयारी की जा रही है।

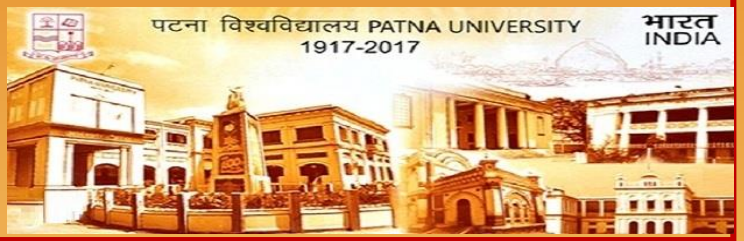

Patna University In News (15.12.2022)

दैनिक जागरण

पीयू में आठ सौ छात्रों के लिए बनेंगे दो छात्रावास

जासं, पटना : पटना विश्वविद्यालय में बुधवार को सिंडिकेट की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने की। बैठक में सर्वसम्मति से पटना विश्वविद्यालय के वित्तीय वर्ष 2022 - 23 के लिए घाटे का बजट को पारित किया गया।

बताया जाता है कि विश्वविद्यालय द्वारा 439 करोड़ रुपये का घाटे का बजट दिखाया गया है। जिसे 23 दिसंबर 2022 को होने वाली सीनेट की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। इस बैठक में कुलपति ने सभी सदस्यों को यह भी जानकारी दी कि बिहार सरकार ने स्नातकोत्तर विज्ञान संकाय के लिए जी-प्लस सेवन भवन एवं लगभग आठ सौ छात्रों के लिए दो छात्रावास निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की है। इसके लिए सभी सदस्यों ने पटना विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना के विकास के लिए कुलपति द्वारा किए गए प्रयास की प्रशंसा की एवं बिहार सरकार के प्रति आभार व्यक्त की। इस बैठक में एकेडमिक काउंसिल में लिए गए निर्णय को सिंडिकेट में रखा गया। जिसमें विश्वविद्यालय में विधि

439 करोड़ रुपये घाटे का रहेगा बजट, सैदपुर में बनेगा थाना

संकाय की पढ़ाई शुरू करने पर सहमति बनी। इसके अलावा बैठक में फाइनेंस कमेटी द्वारा लिए गए सभी निर्णयों की ध्वनि मत से संपुष्टि की गई। बैठक में सैदपुर कैंपस में थाना स्थापित करने के लिए जरूरत भर जमीन सरकार को उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया। इस थाने का नामकरण पटना विश्वविद्यालय थाना, सैदपुर कैंपस रखने के प्रस्ताव दिया गया। अंत में यह भी निर्णय लिया गया कि सैदपुर कैंपस के विकास के लिए एक मास्टर प्लान किसी आर्किटेक्ट द्वारा बनवाया जाए। बैठक में डा. नवीन कुमार आर्य, डा. नीतीश कुमार टनटन, पप्पू वर्मा, डा. बीना प्रसाद, प्रो. एसबी लाल, डा. अभय प्रकाश, प्रो. अनिल कुमार, प्रो. रजनीश कुमार, कर्नल कामेश कुमार, प्रो. शरीफ, प्रो. आशुतोष, प्रो. इफ्फतकार हुसैन, डा. वाणी भूषण मौजूद थे।

15/12/

प्रभात खबर

पटना वीमेंस कालेज में करियर डेवलपमेंट विषय पर हुई चर्चा

पटना. पटना वीमेंस कॉलेज के मदर वेरोनिका एक्सीलेंस एंड इनोवेशन सेंटर में स्टूडेंट करियर डेवलपमेंट के लिए व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया. सत्र का थीम प्रोसपेक्टस ऑफ मैनेजमेंट एजुकेशन था. कार्यक्रम की शुरुआत डीन आलोक जैन ने की. व्याख्यान सत्र के मुख्य वक्ता संत जोसेफ प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु के निदेशक डॉ फादर मनोज डिसूजा एसजे ने सत्र की शुरुआत प्रबंधन शिक्षा की संभावनाएं, कैसे प्रबंधन शिक्षा तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है, दुनिया भर में प्रबंधकों और संगठनों की सफलता में एक केंद्रीय भूमिका निभा रहा है पर प्रकाश डाला. इसके बाद उन्होंने पावर-प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिये एक छात्र के कैंपस से कॉर्पोरेट जगत तक के सफर के बारे में बताया.